महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)
Accredited with 'A' Grade by NAAC

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में शनिवार से राष्ट्रीय संगोष्ठी

विवि का शिक्षा, मनोविज्ञान विभाग तथा भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली का संयुक्त आयोजन

वर्धा दि. 26 मार्च 2015: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा का शिक्षा एवं मनोविज्ञान विभाग तथा भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में 28, 29 एवं 30 मार्च को राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। शिक्षा विभाग के द्वारा 'शिक्षण, सीखने और जानने की दृष्टियों में बदलाव' विषय पर तथा मनोविज्ञान विभाग द्वारा 'आधुनिक जीवन में मूल्य संकट : समाज वैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य और हस्तक्षेप' विषय पर आयोजित इस तीन दिवसीय संगोष्ठी का उदघाटन 28 मार्च को होगा जिसमें सुंदरलाल वर्मा मुक्त विश्वविद्यालय, बिलासपुर के प्रो. वंश गोपाल सिंह, एनसीईआरटी, नई दिल्ली के निदेशक प्रो. बी. के. त्रिपाठी, दिल्ली विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय संबंध विभाग के अधिष्ठाता प्रो. आनंद प्रकाश, दिल्ली विश्वविद्यालय में महिला अध्ययन व विकास विभाग की निदेशक प्रो. भारती बावेजा, बरकतुल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल के प्रो. कैलाशनाथ त्रिपाठी तथा आईआईटी कानपुर के प्रो. लीलावती कृष्णन मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहेंगे। उदघाटन समारोह की अध्यक्षता कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र करेंगे।

संगोष्ठी समन्वयक व आयोजन सचिव तथा शिक्षा विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. अरबिंद कुमार झा ने बताया कि तीन दिवसीय राष्टीय संगोष्ठी में शिक्षा और मनोविज्ञान से संबंधित विभिन्न विषयों पर शोधपत्र प्रस्तुत किए जाएंगे। गोष्ठी के माध्यम से शिक्षा और मनोविज्ञान जुड़े अध्येताओं और शोधकर्ताओं

को आमंत्रित कर रहा है। संगोष्ठी के विषय में अधिक जानकारी के लिए ऋषभ कुमार मिश्र, निधि गौर, धर्मेंद्र शंभरकर, डॉ. अमित कुमार त्रिपाठी तथा डॉ. अरुण प्रताप सिंह से संपर्क किया जा सकता है।

हिंदी विश्वविद्यालयात शनिवार पासून तीन दिवसीय राष्ट्रीय चर्चासत्र

शिक्षण, मनोविज्ञान विभाग व भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नवी दिल्लीचे संयुक्त आयोजन

वर्धा दि. 18 मार्च 2015: महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा येथील शिक्षण आणि मनोविज्ञान विभाग तसेच भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नवी दिल्ली यांच्या संयुक्त विद्यमाने 28, 29 आणि 30 मार्च रोजी राष्ट्रीय चर्चासत्र आयोजित करण्यात आले आहे. शिक्षण विभागाच्या वतीने 'शिक्षण, शिकणे आणि जाणीवेच्या दृष्टीत बदल' या विषयावर तर मनोविज्ञान विभागाच्या वतीने 'आधुनिक जीवनात मूल्य संकट : समाज शास्त्रीय परिदृश्य आणि हस्तक्षेप' या विषयावर आयोजित तीन दिवसीय चर्चासत्राचे उदघाटन 28 मार्चला होईल. यात सुंदरलाल वर्मा मुक्त विद्यापीठ बिलासपूरचे प्रो. वंश गोपाल सिंह, एनसीईआरटी, नवी दिल्लीचे निदेशक प्रो. बी. के. त्रिपाठी, दिल्ली विद्यापीठातील आंतरराष्ट्रीय संबंध विभागाचे अधिष्ठाता प्रो. आनंद प्रकाश, दिल्ली विद्यापीठातील महिला अध्ययन व विकास विभागाच्या निदेशक प्रो. भारती बावेजा, बरकतुल्ला विद्यापीठ भोपाळचे प्रो. कैलाशनाथ त्रिपाठी, आयआयटी कानपूरचे प्रो. लीलावती कृष्णन मुख्य वक्ता म्हणून उपस्थित राहतील. उदघाटन कार्यक्रमाच्या अध्यक्षस्थानी कुलगुरु प्रो. गिरीश्वर मिश्र राहतील.

संगोष्ठी समन्वयक व आयोजन सचिव तथा शिक्षण विभागाचे अधिष्ठाता प्रो. अरविंद कुमार झा यांनी चर्चासत्राविषयी सांगितले की चर्चासत्रात शिक्षण आणि मनोविज्ञानाशी संबंधित विविध विषयांवर शोधनिबंध सादर करण्यात येतील. लेख आणि शोधनिबंध एक पुस्तक रूपाने प्रकाशित करण्यात येईल. अधिक माहितीकरिता ऋषभ कुमार मिश्र, निधी गौर, धर्मेंद्र शंभरकर, डॉ. अमित कुमार त्रिपाठी तथा डॉ. अरुण प्रताप सिंह यांच्याशी संपर्क साधावा असे कळविण्यात आले आहे.